

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 06 सितम्बर 2019 को लेह (लद्दाख)में एक दिवसीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 6 सितम्बर 2019 को कृषि विभाग, लेह और वन विभाग, लेह के सहयोग से इंडोर स्टेडियम, लेह में एक दिवसीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मेले में लेह क्षेत्र के 139 किसानों सहित, कृषि विभाग, वन विभाग, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बागवानी विभाग, उप निदेशक कमांड क्षेत्र तथा पशु पालन विभाग, लेह के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस मेले में विशिष्ट अतिथि के तौर पर माननीय कार्यकारी पार्षद (वन), कार्यकारी पार्षद (कृषि) एवं पार्षद, लेह विशेष रूप से उपस्थित रहे।



किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय श्री गयाल पी वंगज़ल, मुख्य कार्यकारी पार्षद, लेह स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (LAHDC) ने किया। सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लद्दाख क्षेत्र को जैविक खेती के साथ हरा-भरा बनाना है। लद्दाख क्षेत्र को 2025 तक जैविक करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हिल काउंसिल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से स्थानीय किसानों को क्षेत्र के विभिन्न वानिकी, चारे और कृषि संबंधी मुद्दों पर

चर्चा करने में फायदा होने के साथ वह अपने उत्पादों को यहाँ प्रदर्शन करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन करने तथा किसानों को जुनिपर के पौधे बाटने के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का आभार व्यक्त किया।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल, प्रभाग प्रमुख, विस्तार, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों, किसानों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि संस्थान ने जुनिपर के बीज से 70 प्रतिशत तक नर्सरी उगाने में सफलता प्राप्त की है तथा वे इसी तकनीक को यहाँ उपयोग कर रहे हैं ताकि यहाँ भी जुनिपर की नर्सरी तकनीक द्वारा जुनिपर को यहाँ के शीत मरुस्थल-सह- वन विज्ञान केंद्र लेह में उगा कर यहाँ के वन विभाग एवं ग्रामीणों को स्थानांतरण की जाएगी। उन्होंने यहाँ के औषधीय पौधों की अपार क्षमता के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सोवा-रिगपा संस्थान, लेह के साथ आपसी सहयोग से यहाँ के औषधीय पौधों पर अनुसंधान परियोजना चला रहा है जिससे भविष्य में यहाँ के किसानों की अतिरिक्त आय/आजीविका बढ़ाने में सहायता होगी। उन्होंने यहाँ पर चल रही अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण भी दिया। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन से जनता तक वानिकी में किए गए शोधों/ अनुसंधानों को अधिक से अधिक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने वन विभाग, लेह और कृषि विभाग, लेह का हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के साथ किसान मेले के संयुक्त आयोजन करने के लिए का धन्यवाद किया।



मुख्य कृषि अधिकारी, श्री ताशी सेतन ने कहा कि कृषि और चारे के लिए यहाँ पर बहुत सीमित संसाधन हैं। इसलिए यहाँ के लोगों को कृषिवानिकी पर अधिक विचार करना चाहिए तथा जैविक खेती पर ज़ोर देना चाहिए। उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक का वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए विशेष तौर पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी संस्थान इस तरह के संयुक्त आयोजन करने में सहयोग देता रहेगा।

विशिष्ट अतिथि, श्री स्टैंजिन फुंसोग, माननीय कार्यकारी पार्षद (कृषि), LAHDC, लेह ने अपने भाषण में कहा कि आज के समय में कृषि वानिकी के बिना खेती अधूरी है इसलिए सीमित भूमि में परंपरागत कृषि के साथ- साथ औषधीय पौधों अन्य पेड़ – पौधों पर विचार करना होगा। उन्होंने किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए विशेष तौर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का आभार व्यक्त किया।

किसान मेले-सह-प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा अपने प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए जिनमें कृषि विभाग, वन विभाग, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बागवानी विभाग, पशु पालन विभाग तथा स्वयं सहायता समूहों ने मुख्य रूप से भाग लिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा भी प्रदर्शनी स्टाल स्थापित किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ वनीत जिष्ट और श्री पीतांबर सिंह नेगी द्वारा किसानों को लेह क्षेत्र के पेड़-पौधों और औषधीय पौधों सहित वानिकी के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान की गई।



किसान मेले-सह-प्रदर्शनी का समापन डॉ. हरप्रीत कौर, वन मण्डल अधिकारी, लेह द्वारा सभी के धन्यवाद के साथ हुआ। उन्होंने विशेष तौर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक का वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला से आई अधिकारियों तथा वैज्ञानिकों की टीम का इस महत्वपूर्ण आयोजन तथा जूनीपर के गुणवत्ता पूर्ण पौधे प्रदान करने हेतु धन्यवाद किया तथा उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजना में सहयोग करता रहेगा।

मेले के समापन के पश्चात श्री पीतांबर सिंह नेगी, वैज्ञानिक द्वारा लेह वन मण्डल के अधिकारियों, फील्ड स्टाफ तथा कुछ प्रगतिशील किसानों को जूनीपर की बीज-प्रौद्योगिकी (Seed Technology) से संबन्धित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान की।

किसान मेले-सह-प्रदर्शनी की कुछ झलकियाँ







STATE TIMES

CEC LAHDC Leh, Wangyal inaugurates vegetable-fruit Mela-cum-Exhibition

JIGMET JANSPAL KHUNGRU LEH, SEP 6: With an aim to provide an opportunity to the local farmers to gain knowledge and to encourage them for retaining the farming sector, a one day Kissan Mela-cum-Exhibition 2019 was organized by the Department of Agriculture & Forest Department, Leh/HFRI, Shimla at Indoor Stadium, Katmochey, Leh. CEC LAHDC Leh, Gyal P Wangyal who was the Chief Guest on the occasion inaugurated the Mela-cum-Exhibition.

While addressing the gathering on the occasion the chief guest, Chief Executive Councilor LAHDC Leh, Gyal P Wangyal informed that the region has good potential to grow different varieties of vegetables and fruits and this exhibition shows that there is a lot of development annually benefiting from modern technology and knowledge by the local farmers in the farming sector. He said that youth can also move towards agriculture sector for their livelihood and stressed upon adopting organic farming instead of other fertilizers in order to fulfill the vision of LAHDC Leh to make Leh organic region.

Satya Prakash Negi (IFS), Conservator of Forest, HFRI, Shimla talked about Juniper. The Chief Guest and other dignitaries visited the stalls displaying different kinds of vegetables, fruits and flowers grown by the farmers of the region. A Skit was also performed highlighting the significance of adopting Organic

farming. While interacting with Greater Jammu, Chief Agriculture Office Leh, Tsetan Tashi said that the main aim of the exhibition is to teach the farming community about the new method and technology that can be used to increase quality and quantity of the production besides enhancing income generation. He further said that earlier, only a few types of vegetables and fruits were grown in the region but with the efforts of various Departments and modern technology we can grow different types of fruits and vegetables today. Using organic farming is necessary for health and people are moving towards this instead of using pesticides and insecticides said, Tashi.

At the end after judging the exhibited items cash prizes of ₹1000, ₹700, ₹500 and consolation prize of ₹200 were awarded to the position holders. Executive Councilor, Councilor, HODs, Guests and other Dignitaries were present on the occasion.



Chief Guest Gyal P Wangyal inaugurating Kissan Mela-Cum-Exhibition in Leh on Friday.

GREATER JAMMU

CEC Leh inaugurates vegetable-cum-flower expo



CEC, LAHDC Leh, Gyal P Wangyal inspecting exhibits after inaugurating a Vegetable-cum-Flower Expo at Leh.

■ STATE TIMES NEWS

LEH: CEC, LAHDC Leh, Gyal P Wangyal inaugurated a Vegetable-cum-Flower Expo, 2019 at Indoor Stadium, Leh. EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Mumtaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khaltsi, Satya Prakash Negi from Himalayan Forest Research Institute (HFRI) Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO Leh, Dy Dir Command area, other senior officers from Agriculture and Forest Departments, Leh besides a number of farmers from different villages of the district participated in the function.

While addressing the gathering, the CEC said that with declaration of Ladakh as UT, tremendous opportunities are coming our way. He said that tourism is going to touch new heights and we have to be fully prepared to cater the industry with our locally grown food products.

The CEC further said that agriculture has always been the priority sector of Hill Council and project for making Leh District completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by the Hill Council. He said that initially farmers may earn less from organic produces but over the time it would increase manifold.

Satya Prakash Negi from HFRI Shimla in his address spoke about their success with 70 per cent germination of juniper seeds in Himachal with use of seed technology and artificial regeneration technique. He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rigpa to initiate research on medicinal plants in Leh.

Speaking on the occasion, CAO Leh, Tashi Tsetan apprised about profitable production of high yielding peas and Rajma with vacuum-pack to mention on priority.

On the occasion, a wide range of vegetables, fruits and flowers were exhibited by local farmers, who were later presented various prizes.

KVK SKUAST-K, CAZRI, Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition. There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A skit by artists of Ladakh Advertising Agency Leh was also presented on the occasion.

YOUNG BITES

CEC Leh inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo

YB News
Leh, Sep 6

CEC, LAHDC Leh Gyal P Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2019 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Mumtaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khaltzi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture has always been the priority sector of Hill Council and the project of making



Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold. He also made a mention of Bugwheat which has a high demand and price in

market and stressed on the need to grow more of bugwheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservator of Forest, HFRI, Shimla in his speech, spoke about their

success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they in collaboration with Forest Division, Leh will introduce it for the public.

JOURNEY LINE

CEC Leh Inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo

JL NEWS SERVICE

LEH, SEPT 6: CEC, LAHDC Leh Gyal P Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2019 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Mumtaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khaltzi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture has always been the priority sector of Hill Council and the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold. He also made a mention of Bugwheat which has a high demand and price in



national and international market and stressed on the need to grow more of bugwheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservator of Forest, HFRI, Shimla in his speech, spoke about their success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique.

He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they in collaboration with Forest Division, Leh will

introduce it for the public. He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rigpa to research on medicinal plants in Leh.

On the occasion, there was wide range of exhibition of vegetables, fruits and flowers presented by local farmers who were later also awarded with prizes. KVK SKUAST-K, CAZRI, Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition.

There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A skit by artists of Ladakh Advertising Agency, Leh was also presented on the occasion.

DAILY EXCELSIOR



CEC Leh inspecting vegetable stalls at an Expo.

CEC Leh inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo

Excelsior Correspondent

LEH, Sept 6: CEC, LAHDC, Leh Gyal P Wangyal today inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2019 in the premise of Indoor Stadium, Leh.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Mumtaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khaltsi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command Area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that people of Ladakh have to be fully prepared to cater the industry with locally grown food products. He added that in coming times there would be sufficient fund flowing to Ladakh and it would be responsibility of every Ladakhi to utilize it timely and judiciously.

CEC said that the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold.

Satya Prakash Negi,

Conservator of Forest, HFRI, Shimla, spoke about their success with 70 percent germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they in collaboration with Forest Division, Leh, will introduce it for the public. He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rigpa to research on medicinal plants in Leh.

CAO Leh, Tashi Tsetan apprised about the profitable production of high yielding peas and rajma with vacuum pack to mention on priority. He also felt the need to promote floriculture and mushroom production which is made possible to grow locally with the establishment of a laboratory in Leh with the support of Hill Council.

On the occasion, there was wide range of exhibition of vegetables, fruits and flowers presented by local farmers who were later also awarded with prizes. KVK SKUAST-K, CAZRI,

Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition. There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A skit by artists of Ladakh Advertising Agency, Leh, was also presented on the occasion.

THE HIMALAYAN MAIL

Leh CEC inaugurates vegetables, flowers Expo

LEH, SEPTEMBER 06: CEC, LAHDC Leh Gyal P Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2019 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Mumtaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khaltsi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture has



always been the priority sector of Hill Council and the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold. He also made a mention of Bugwheat which has a high demand and price in national and international market and stressed on the

need to grow more of bugwheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservator of Forest, HFRI, Shimla in his speech, spoke about their success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique.

He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they in collaboration with Forest Division, Leh will introduce it for the public.

NOTICE

I, Neelam Sharma W/o Vinod Kumar R/o Roop Nagar Jammu have applied for Transfer his vehicle bearing No. JK02CB-2428 in favour of Mohd Naseer S/o Mohd Bashir R/o Poonch. Objection if any may conveyed to RTO Jammu within 7 days after publication of this notice.

ENT
SION NO. II JAMMU

57756

RS

THE NORTHLINE

CEC inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo



NL CORRESPONDENT
LEH, SEP 06

CEC, LAHDC Leh Gyal P Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2019 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Mumtaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khaltsi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture

has always been the priority sector of Hill Council and the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold. He also made a mention of Bugwheat which has a high demand and price in national and international market and stressed on the need to grow more of bugwheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservator of Forest, HFRI, Shimla in his speech, spoke about their

success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they in collaboration with Forest Division, Leh will introduce it for the public. He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rigpa to research on medicinal plants in Leh.

On the occasion, there was wide range of exhibition of vegetables, fruits and flowers presented by local farmers who were later also awarded with prizes. KVK SKUAST-K, CAZRI, Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition. There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A skit by artists of Ladakh Advertising Agency, Leh was also presented on the occasion.